राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 17 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-195 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

छात्रों के समर्थन में पप्पू यादव का प्रतीकात्मक विरोध, गमछे से घोंटा गला

पटना।

पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव एक दिवसीय उपवास पर बैठे। उन्होंने रिसर्च स्कॉलर्स के आंदोलन में शामिल होकर, नीले गमछे से अपना गला घोंटकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया। सांसद यादव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने छात्रों की मांगें नहीं मानीं, तब उन्हें बिहार बंद और अनिश्चितकालीन उपवास जैसे कड़े कदम उठना पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के बच्चों को बौद्धिक नक्सली कहने की भी निंदा की।

'ऑल एच.डी. होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के बैनर तले छात्र बीते 13 दिनों से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर हैं। उनकी प्रमुख मांगों में सहायक प्राध्यापक बहाली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 2018 के टेबल 3ए को लागू करना, बिहार में डोमिसाइल नीति प्रभावी करना, सहायक प्राध्यापक पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 55 साल करना और 70वीं बीपीएससी परीक्षा को निरस्त करना शामिल है। प्रशासन ने धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

देश में मानसून का कहर- यूपी में जलभराव, उत्तराखंड में हाईवे बंद, हिमाचल में 183 मौतें

नई दिल्ली।

देश के कई राज्यों में मानसून ने फिर कहर बरपाया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महज कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कें दो फीट तक पानी में डूब गईं, वहीं गोमती नगर, हजरतगंज और जानकीपुरम जैसे पॉश इलाकों सहित कई जगह घरों के बेडरूम और किचन तक पानी घुस गया। वाराणसी में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे घाट किनारे के 100 से अधिक छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान पर आने से यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल डूब गया है और पानी कॉलोनियों तक पहुंच गया है। प्रदेश में कुल 11 नदियां खतरे के निशान पर हैं। उत्तराखंड के चमौली में भारी बारिश से बाजपुर के पास पहाड़ खिसक गया, जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हुआ है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। हिमाचल में 30 जून से 15 अगस्त के बीच मानसून संबंधी घटनाओं में अब तक 183 लोगों की मौत हुई है और शनिवार शाम तक 103 सड़कें बंद थीं। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के कारण जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं राजस्थान में भी 10 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जहां शनिवार को भरतपुर, धौलपुर सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश दर्ज की गई।

21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलान- सिख बंदियों की रिहाई को लेकर बढ़ा तनाव

चंडीगढ़ ।

कौमी इंसाफ मोर्चा ने 21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलान किया है। यह फैसला सजा पूरी कर चुके सिख बंदियों की रिहाई की प्रमुख मांग को लेकर है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की मांग भी शामिल है। यह ऐलान 15 अगस्त को चंडीगढ़ में हुए पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक टकराव के बाद किया गया है, जिसने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। गत दिन कौमी इंसाफ मोर्चा के नेतृत्व में मोहाली से गवर्नर हाउस की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस को वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा था। पुलिस ने एहतियातन सीमाएं सील कर दी थीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग हटाने के लिए ट्रैक्टरों का सहारा लिया। पुलिस के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी भी की, जिसमें कई जवान घायल हुए। इस दौरान शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान सहित कई सिख नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार गोवा दौरे पर खरगे

पणजी ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोमवार को गोवा का दौरा कर तटीय राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाले है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद यह पहली बार होगा जब खरगे गोवा में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुखातिब होने वाले है। पार्टी प्रदेश प्रमुख गिरीश चोडणकर ने बताया कि यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस अगले साल की शुरुआत में होने वाले गोवा विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। खरगे अपने एक दिवसीय दौरे पर दक्षिण गोवा के वेरना गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाले है। वर्तमान में 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में कांग्रेस के 3 विधायक हैं, जिनमें नेता प्रतिपक्ष यूरी अलेमाओ भी शामिल हैं। कांग्रेस ने 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में 11 सीटें जीती थीं, लेकिन बाद में इसके आठ विधायक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।

भारत की रक्षा में नई उड़ान-स्वदेशी दिव्यास्त्र एमके-3 ने भरी सफल उड़ान

नई दिल्ली।

भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कावा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने देश में तैयार अगली पीढ़ी के जेट-पावर्ड लॉइटरिंग म्यूनिशन दिव्यास्त्र एमके3 की पहली सफल उड़ान पूरी की है। कंपनी के अनुसार, यह उड़ान 11 अगस्त, 2026 को भरी गई, इस भारत का पहला पूर्ण स्वदेशी जेट-पावर्ड लॉइटरिंग म्यूनिशन बताया जा रहा है। यह उपलब्धि भारतीय रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कावा यूएवी के अनुसार, दिव्यास्त्र एमके3 में पूरी तरह से भारतीय एयरफ्रेम, स्वदेशी जेट इंजन, स्वतंत्र तकनीक और स्वदेशी फायरपावर का उपयोग किया गया है। लॉइटरिंग म्यूनिशन एक ऐसा उन्नत हथियार है जो लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर मंडरा सकता है और सही समय आने पर उस पर सटीक हमला करता है। इसे आम बोलचाल में कामिकाजी ड्रोन भी कहा जाता है।

सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि दिव्यास्त्र एमके3 को कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर पहली उड़ान तक केवल एक साल के रिकॉर्ड समय में विकसित किया गया है। इसमें इस्तेमाल किया गया जेट इंजन भी स्वदेशी है, जिसे डीजी प्रोपल्शन द्वारा विकसित किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस प्रणाली में किसी भी आयातित जेट इंजन या विदेशी महत्वपूर्ण उप-प्रणाली पर कोई निर्भरता नहीं है, इसे पूरी तरह से भारत में डिजाइन, विकसित और उड़ाया गया है। कावा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापकों ने उड़ान को सिर्फ एक परीक्षण उड़ान नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन बताया। उन्होंने जोर दिया कि यह आत्मनिर्भर भारत इन एक्शन का जीवंत उदाहरण है, जो दर्शाता है कि भारत बड़े पैमाने पर और तेज गति से जेट-पावर्ड प्रिसीजन स्ट्राइक सिस्टम की अवधारणा,

इंजीनियरिंग और उड़ान परीक्षण अपने देश के भीतर कर सकता है। द स्काई हैज चेंज्ड के संदेश के साथ पेश की गई दिव्यास्त्र एमके3 की यह सफलता भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन और उन्नत मानव रहित प्रणालियों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पीएम मोदी ने नेतन्याहू को कहा धन्यवाद, भारत-इजरायल साझेदारी मजबूत करने पर जोर

नेतन्याहू ने कहा, सबसे अच्छा समय .....अभी आना बाकी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देने के लिए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का आभार जाहिर किया है। पीएम मोदी ने नेतन्याहू की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देकर कहा कि भारत-इजरायल की विशेष रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी, जिससे नए अवसर खुलने और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध गहरे होने वाले है। पीएम नेतन्याहू ने भारत और अपने प्यारे दोस्त नरेंद्र मोदी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई देकर कहा था कि भारत और इजरायल को एक साल के अंतर पर आजादी मिली थी। उन्होंने दोनों प्राचीन देशों को अपने लोगों के लिए बेहतर जीवन लाने के मकसद से मिलकर भविष्य की ओर बढ़ते हुए बताया। नेतन्याहू ने नवाचार और दोस्ती की असीमित संभावनाओं पर जोर देकर कहा, सबसे अच्छा समय .....अभी आना बाकी है!

इजरायली दूतावास ने भारत को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

दूतावास ने अपने संदेश में भारत की आजादी, लोकतंत्र और अनेकता में एकता की यात्रा को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने भारत और इजराइल की बढ़ती साझेदारी को गहरी दोस्ती और बेहतर भविष्य के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक कहा।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने वीडियो संदेश में कहा कि भले ही दोनों देश आकार

में अलग हों, लेकिन उनकी प्राचीन विरासत और राष्ट्रीय पुनरुत्थान समान हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर जेएनयू में हंगामा एबीवीपी की तिरंगा यात्रा के विरोध में लगे विवादित नारे

नई दिल्ली ।

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जेएनयू में तिरंगे के सम्मान में निकली बाइक रैली के विरोध में वामपंथी छात्रों ने आपत्तिजनक के नारे लगाए। जेएनयू के एबीवीपी के छात्रों के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति का संदेश देने के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया था। रैली में शामिल छात्र हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाते हुए परिसर में आगे बढ़ रहे थे। इससे एक दिन पहले भी निकाली गई तिरंगा बाइक रैली में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए थे।

इसी बात से नाराज होकर वामपंथी छात्रों ने रैली के सामने खड़े होकर भारत माता को लेकर आपत्तिजनक नारे लगाए। इसका एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है।

इसमें रैली के विरोध में नारेबाजी सुनाई दे रही है।

छात्रों का कहना है कि उन्हें भारत माता की जय के नारे लगाने से रोका गया। घटना ने जेएनयू परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलानसिख बंदियों की रिहाई को लेकर बढ़ा तनाव

चंडीगढ़ ।

कौमी इंसाफ मोर्चा ने 21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलान किया है। यह फैसला सजा पूरी कर चुके सिख बंदियों की रिहाई की प्रमुख मांग को लेकर है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की मांग भी शामिल है। यह ऐलान 15 अगस्त को चंडीगढ़ में हुए पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक टकराव के बाद किया गया है, जिसने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। गत दिन कौमी इंसाफ मोर्चा के नेतृत्व में मोहाली से गवर्नर हाउस की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस को वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा था। पुलिस ने एहतियातन सीमाएं सील कर दी थीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग हटाने के लिए ट्रैक्टरों का सहारा लिया। पुलिस के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी भी की, जिसमें कई जवान घायल हुए। इस दौरान शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान सहित कई सिख नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

मोर्चा नेताओं ने अब पंजाब के सभी सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों से 21 अगस्त के पंजाब बंद को समर्थन देने की अपील की है ताकि जेल में बंद सिखों की रिहाई की मांग पर सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

जिन प्रमुख बंदी सिखों की रिहाई की मांग की जा रही है, उनमें बलवंत सिंह राजोआना, जगतार सिंह हवारा और देवेंदरपाल सिंह भुल्लर जैसे नाम शामिल हैं। इस ऐलान ने राज्य में तनाव का माहौल और बढ़ा दिया है।

पीम मोदी ने 'सदैव अटल' पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार की सुबह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के स्मारक 'सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी की भूमिका अद्वितीय रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिखा÷

÷आज सुबह 'सदैव अटल' पर अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की प्रगति में उनकी भूमिका अद्वितीय है!÷

पीएम मोदी ने साझा किया गौसेवा और मोर को दाना खिलाने वाला वीडियो

- खिलाड़ियों से भी की मुलाकात

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर नया वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें 15 अगस्त को लाल किले के लिए रवाना होने से पहले आवास पर गाय और पक्षियों को चारा व दाना खिलाते देखा गया। पीएम ने इस वीडियो के साथ लिखा, हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना मेरी रोज की दिनचर्या है। शनिवार सुबह उन्हें किसी तरह पता चला कि मैं जल्दी निकल रहा हूं, इसलिए लाल किले के लिए रवाना होते समय वे मुझसे मिलने आ गए।

इस वीडियो में एक अन्य संदेश में पीएम मोदी ने 7 अगस्त, 1905 को शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन को देश की आजादी के लिए बड़ी लड़ाई बताया, जिसमें जन-जन जुड़ा था। उन्होंने हैंडलूम डे का महत्व भी समझाया, जिसका उद्देश्य गरीब बुनकर परिवारों और घरों में लूम पर काम करने वाले कारीगरों को बढ़ावा देना है।

इस बीच, पीएम मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से भी मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ सेल्फी ली और इंस्टाग्राम पर एक रील के तौर पर साझा किया।

बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल विजेता हरियाणा की साक्षी चौधरी ने मुलाकात पर खुशी जाहिर कर बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी सर ने बुलाया था और मिलकर बहुत अच्छा लगा, वे बहुत ही विनम्र हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों को जो खेलेगा, वहां खिलेगा,

ऑलवेज चियर फॉर भारत का मंत्र देकर भारत माता की जय के नारे भी लगवाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केवल विषधर नहीं, पारिस्थितिकी के प्रहरी हैं नाग

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- नाग पंचमी - आस्था के फन पर पर्यावरण चेतना

(नाग पंचमी (17 अगस्त) पर विशेष)

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है। नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी, जो 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के अवसर पर मनाई जा रही है। यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है।

नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है। नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है। इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है। सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया। नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए।

भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्रामदेवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य-श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सांपों की किसी प्रजाति के समाप्त होने का प्रभाव केवल उसी प्रजाति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है।दुर्भाग्य से नाग पंचमी की आस्था का लाभ उठाकर कुछ स्थानों पर सांपों को पकड़कर प्रदर्शित करने, उन्हें कैद रखने अथवा दूध पिलाने जैसी प्रथाएं भी देखने को मिलती हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से सांपों को दूध पिलाना उनके प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है। सांपों का शरीर दूध के लिए अनुकूलित नहीं होता और जबरन दूध पिलाना उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसी प्रकार लंबे समय तक सांपों को कैद रखना, उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना या उनके प्राकृतिक आवास से निकालकर धार्मिक प्रदर्शन का साधन बनाना संरक्षण की भावना के विपरीत है। आस्था का सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके नाम पर किसी जीव को पीड़ा न पहुंचाई जाए। सांपों की अनेक प्रजातियों को अवैध शिकार, आवासीय क्षेत्र में कमी, सड़क दुर्घटनाओं और मानव-सांप संघर्ष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी खाल और अन्य जैविक उत्पादों के अवैध व्यापार ने भी कई प्रजातियों के सामने संकट खड़ा किया है। इसलिए नाग पंचमी को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का अवसर बनाया जाना चाहिए।

लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि प्रत्येक सांप विषैला नहीं होता और अधिकांश सांप मनुष्य से दूरी बनाए रखना ही पसंद करते हैं। घर या बस्ती में सांप दिखाई देने पर उसे मारने के बजाय प्रशिक्षित वन्यजीव बचाव दल की सहायता लेना अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार व्यवहार है। सर्पदंश से बचाव और उसके उपचार के संबंध में भी वैज्ञानिक जागरूकता बेहद जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई बार सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक या पारंपरिक उपचार पर निर्भरता देखी जाती है, जिससे उपचार में देरी हो सकती है। सर्पदंश की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करना जीवनरक्षक कदम हो सकता है। नाग पंचमी जैसे व्यापक जनसरोकार वाले पर्व को इस प्रकार की स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी जागरूकता से जोड़ना समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

वास्तव में नाग पंचमी हमें केवल नागों की पूजा करने का अवसर नहीं देती बल्कि यह प्रश्न भी सामने रखती है कि प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए। यदि हम नाग देवता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं, लेकिन वास्तविक सांपों को उनके आवास से निकालकर कष्ट पहुंचाते हैं तो हमारी आस्था का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। नागों के प्रति सच्चा सम्मान उन्हें सुरक्षित रहने देना, उनके आवासों की रक्षा करना और उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। नाग पंचमी भारतीय संस्कृति की उस जीवन-दृष्टि का पर्व है, जिसमें मनुष्य स्वयं को प्रकृति का स्वामी नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा मानता है। पौराणिक आस्था और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित करते हुए यह पर्व हमें सिखा सकता है कि श्रद्धा तभी सार्थक है, जब वह संरक्षण में बदल जाए। नागों के प्रति सम्मान का अर्थ उनके जीवन और प्राकृतिक आवास की रक्षा करना है। यदि नाग पंचमी की धार्मिक चेतना जैव-विविधता संरक्षण, वन्यजीव करुणा और वैज्ञानिक जागरूकता से जुड़ जाए तो यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं रहेगा बल्कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलित सह-अस्तित्व का प्रभावशाली संदेश बन जाएगा। यही इस प्राचीन पर्व की आधुनिक प्रासंगिकता और इसकी सबसे बड़ी सार्थकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

संपादकीय

सेहत की आज़ादी

देश की आजादी का संबंध जितना व्यवस्था के स्वास्थ्य से है, उतना ही उसके नागरिकों के स्वस्थ होने से भी। जैसे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा निवास करती है, ऐसे ही स्वस्थ नागरिकों पर देश का स्वास्थ्य निर्भर करता है। हर साल देश में सरकारों को अरबों रुपये लोगों के रोगों के उपचार हेतु खर्च करने पड़ते हैं। इस धन को विकास कार्यों पर भी लगाया जा सकता था। यूं तो व्यक्ति किसी महामारी, आनुवंशिक या किसी जेनेटिक रोग का शिकार हो सकता है, लेकिन आम तौर व्यक्ति स्वस्थ ही जन्म लेता है। लेकिन कहीं न कहीं सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है? लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफ धकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है। हमने खानपान-जीवन शैली में पश्चिम की नकल तो खूब की है, लेकिन फिजिकल फिटनेस के उनके जुनून को अनदेखा कर दिया। हम लगातार शरीर के संकेतों की अनदेखी करके उसे रोगों की गुलामी की तरफ धकेल देते हैं। युवा अवस्था में तो हमारा शरीर खानपान की अराजकता झेल लेता है, लेकिन जैसे व्यक्ति पचास की उम्र पार करता है, उसकी डाइनिंग टेबल पर मेडिकल स्टोर खुल जाता है। बी.पी. की दवाई, शूगर की दवाई, जोड़ों के दर्द की दवाई, और तो और पाचन दुरुस्त करने की दवाइयां। चंडीगढ़ जैसे शहर में, जो अपने खूबसूरत पार्कों के लिये जाना जाता है, गिनती के लोग ही सुबह सैर करते नजर आते हैं। योग की कक्षाओं में गिने-चुने चेहरे दिखते हैं। लोग सुबह सैर व योग के समय नींद की गुलामी कर रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी लोग देर रात आफिस व काम-धंधों से लौटते हैं। पहले देर रात तक टीवी की गुलामी होती थी और अब देर रात तक मोबाइल की गुलामी करते हैं। मोबाइल की स्क्रीन को स्क्रॉल करते-करते रात हो जाती है तो फिर सुबह नींद कहां खुलेगी? प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि हम सूरज को उठायें, न कि सूरज हमें उठाये। भारतीय दर्शन में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की परंपरा है। इसका मतलब चार बजे उठना नहीं है। मतलब, सूरज उगने से एक-डेढ़ घंटे पहले हम उठ जाएं। दरअसल, इस समय शरीर में वात की सक्रियता से अपशिष्ट पदार्थ स्वत- ही बाहर निकलने को तैयार होते हैं। व्यक्ति को कब्ज नहीं होती। इस समय वायु शुद्ध होती है। यह आध्यात्मिक साधना का भी समय होता है। दिनभर हमारे शरीर में ताजगी बनाये रखता है।

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

(लेखक - सुनील कुमार महला)

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4-52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5-00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम् स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है।

यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृंतक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृंतकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत- चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत- आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अत- संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

विचार मंथन

15 अगस्त, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप- प्रत्यारोप

(लेखक- सनत जैन)

भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप और प्रत्यारोप के कारण चर्चाओं में आ गया है। स्वतंत्रता दिवस पर सभी एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। यह पहली बार देखने को मिल रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी पर निशाना साधा गया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस के सम्मेलन में केंद्र सरकार की विदेश नीति, विदेशी नेताओं को गले लगाने, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सदन में नहीं आने, की जो बयानबाजी की, उसके बाद से मामले ने तूल पकड़ लिया। इस विवाद में इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी और प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों को लेकर जो कहा गया, उसने विवाद की आग में घी डालने का काम किया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर क्यूबा के पूर्व शासक फिदेल कास्त्रो और इंदिरा गांधी का गले मिलते हुए फोटो जारी कर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। जिस पर बवाल शुरू हो गया। भाजपा नेताओं के धड़ाधड़ बयान आने लगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, यही दिन देखना रह गया था। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को देश के दुर्भाग्य से जोड़ दिया। रही सही कसर 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो भाषण दिया। उसमें उन्होंने जेन-जेड और जेन-अल्फा के छात्रों को नक्सलवाद की दिमागी मानसिकता से जोड़ दिया...। पूर्व वित्तमंत्री पी चिदम्बर ने कहा हाँ हम दिमागी नक्सली है। इसके बाद बयान बाजी शुरू हो गई, जो थमने का नाम ही नहीं ले रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, जिसमें सत्ता पक्ष, विपक्ष और छात्रों में इतनी तल्खी देखने को मिल रही है। रही-सही कसर 14 अगस्त की रात्रि में सांसद महुआ मोइत्रा को नादिया सर्किट हाउस से बाहर निकलने का आदेश दिया गया, जिसमें कहा गया कमरे के रखरखाव के लिए महुआ तुरंत कमरा खाली करें। सर्किट हाउस के गेट पर भारी भीड़ जमा थी, जो महुआ के खिलाफ नारे लगा रही थी। महुआ मोइत्रा ने इसकी शिकायत लोकसभा अध्यक्ष और सोशल मीडिया के माध्यम से बताया किस तरह से उनकी जान को खतरा है।

15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में जो झंडा रोहण हुआ, उसमें वंदे मातरम का पूरा गायन ना होकर संविधान सभा ने जिस वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था, उसका ही गायन हुआ। जिसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को निशाने पर ले लिया। जिस तरह की तल्खी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में मानसून सत्र के दौरान देखने को मिली, वह तल्खी विकृत स्वरूप में स्वतंत्रता दिवस पर देखने को मिली। जिस तरह के राजनीतिक हालात देश में देखने को मिल रहे हैं। जंतर मंतर और झारखंड के छात्र आंदोलन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर निशाना साध रहे है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा छात्रों के आंदोलन को नक्सली मानसिकता से जोड़कर लाल किले में जो भाषण दिया गया। 2047 के जो सपने प्रधानमंत्री ने दिखाए हैं। 15 अगस्त का स्वतंत्रता दिवस जो हर वर्ष हर्षो-उल्लास से मनाया जाता था। वह हर्ष कहीं देखने को नहीं मिला, उल्टे जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को घेर रहे हैं, सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी को निशाने पर ले रखा है। वहीं राहुल गांधी और विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ-साथ अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उसके बाद से ऐसा लगता है, आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में यह तल्खी और बढ़ेगी। विपक्ष अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, वहीं सत्ता पक्ष सत्ता को बचाए रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है। रही-सही कसर छात्र आंदोलन पूरी कर रहे हैं। जेन-जेड के बाद जेन-अल्फा के आंदोलनो ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानअल्लाह की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के छात्र-छात्राएं सड़कों पर आकर बवाल काट रहे हैं। उसने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और राज्य सरकारों की नींद हराम कर दी है। इन बच्चों को समझापाना आसान नहीं है। मंत्री से लेकर संत्री तक सब जेन-अल्फा के सामने बेबस नजर आ रहे हैं। पेपर लीक मामले से शुरू हुआ छात्रों का यह आंदोलन निरंतर बढ़ता ही चला जा रहा है। जेन-जेड के आंदोलनकारी अब भ्रष्टाचार और न्याय पालिका के खिलाफ भी मुखर हो गए हैं। जिस तरह से वह न्यायपालिका, शासन और प्रशासन के ऊपर हमले कर रहे हैं, उसने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। जेन-अल्फा के छात्र सड़क, स्कूल की बिल्डिंग, मास्टरों की कमी, बढ़ते बस किराए और अन्य मांगों को लेकर जिस तरह से सड़कों पर आकर कई राज्यों में प्रदर्शन कर रहे हैं, इससे कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकारों की चिंता बढ़ गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीमा कंपनियों को चेतावनी, सिर्फ आरोप से क्लेम खारिज नहीं, देना होगा सबूत

तेलंगाना आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपए डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (टीएससीडीआरसी) ने बीमा कंपनियों के लिए एक अहम फैसला सुनाया है। अब केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने का आरोप लगाने से डेथ क्लेम खारिज नहीं होगा, बल्कि कंपनी को यह साबित भी करना होगा। आयोग ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को एक परिवार को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए से 1 करोड़ रुपए की पॉलिसी ली थी। मई 2021 में कोविड-19 से उनकी मृत्यु के बाद कंपनी ने क्लेम यह आरोप लगाकर खारिज किया कि उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के एक पुराने, टले हुए बीमा आवेदन की जानकारी छिपाई थी। हालांकि, आयोग ने कंपनी के तर्कों को खारिज कर दिया। उसने पाया कि टाटा एआईए यह साबित नहीं कर पाई कि पॉलिसीधारक को पुराने प्रस्ताव स्थगित होने या खराब मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी थी। कंपनी ने खुद पॉलिसी जारी करने से पहले उनका मेडिकल टेस्ट किया था और फिट पाया था। मृत्यु कोविड-19 से हुई थी, जिसका पूर्व कथित स्थिति से कोई संबंध नहीं था। आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम 9 फीसदी वार्षिक ब्याज, 50,000 रुपये मुआवजा और 10,000 रुपये कानूनी खर्च के साथ अदा करने का आदेश दिया। कंपनी ने इस फैसले को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में चुनौती देने का इरादा जताया है।

बढ़ता यूरिया बिल, भारत की सब्सिडी नीति पर पुनर्विचार जरूरी

ईरान युद्ध और वैश्विक बाधाओं से उर्वरक लागत दोगुनी, सब्सिडी बिल रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार द्वारा यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी अब मुश्किल में है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन और उर्वरक महंगे हो गए हैं, जिससे भारत का आयात बिल बहुत बढ़ गया है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है और सरकार अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर दोबारा विचार करने को मजबूर हो गई है। ईरान युद्ध और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय उर्वरक कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर भारत के यूरिया आयात बिल पर पड़ा है, जो इस वित्तीय वर्ष में अनुमानित 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह भारी सब्सिडी बोझ और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा है। किसान 45 किलो यूरिया के लिए मात्र 266.5 रुपये देते हैं, जबकि सरकार इसे खरीदने के लिए दस गुना ज़्यादा कीमत चुका रही है। इस गंभीर स्थिति ने सरकार को अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर पुनर्विचार करने को विवश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आधा करने की अपील की है। सरकार जागरूकता अभियान भी चला रही है। हालांकि, किसान पुराने तरीकों को बदलने में अनिच्छुक दिखते हैं और आपूर्ति सामान्य न होने के कारण कुछ राज्य आपूर्ति सीमित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब्सिडी अप्रभावी है और कृषि में अस्वस्थ आदतें पैदा कर रही है। कमजोर मॉनसून के साथ मिलकर, यह स्थिति भारत की फसल और खाद्य महंगाई पर गंभीर असर डाल सकती है।

एलपीजी ई-केवाईसी करने का आ खिरी दिन, वरना छूट जाएगी सब्सिडी!

एलपीजी ई-केवायसी 16 अगस्त रात 12 बजे तक

नई दिल्ली ।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर सरकारी सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आज आपके पास अंतिम मौका है। 16 अगस्त रात 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी न करने वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए अधिक भुगतान करना पड़ सकता है और सब्सिडी से वंचित होना पड़ सकता है। सभी प्रमुख तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि सब्सिडी वाले दरों पर गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिएई-केवाईसी अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उज्ज्वला योजना के कनेक्शनधारियों की सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में भी बाधाआ सकती है। हालांकि, ई-केवाईसी न करने पर आपका गैस कनेक्शन रद्द नहीं होगा, लेकिन आपको सब्सिडी वाली दर पर सिलेंडर मिलना बंद हो जाएगा।

होर्मुज तनाव, कच्चा तेल और अमेरिकी नीतिगत संकेत तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

अमेरिकी एफओएमसी के ब्योरे से लेकर चीन के आर्थिक आंकड़े तक, इन पर रहेगा बाजार का फोकस

- मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव, अमेरिका-ईरान संबंधों में अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोमवार को जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और चीन के आर्थिक आंकड़ों पर भी पैनी निगाह रखेंगे। बीते सप्ताह स्थानीय बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद अब वैश्विक घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित हो गया है। शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों का ध्यान घरेलू कारकों से हटकर वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर केंद्रित हो गया है। रिलायंस ब्रोकिंग के एक अे धिकारी ने बतायाे कि निकट अवधि में होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का है, ऐसे में वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक स्थिति ही बाजार को दिशा देंगी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा 19 अगस्त को जारी किया जाएगा, जिससे अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख को लेकर अहम संकेत मिलेंगे। यदि फेडरल रिजर्व का रुख अपेक्षा से अधिक आक्रामक दिखाई देता है, तो इससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी बढ़ सकती है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे। कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार में 14 अरब का उछाल, चार माह के शीर्ष पर

लगातार छठे सप्ताह हुई वृद्धि, 07 अरब के पार पहुंचा कुल भंडार

मुंबई।

केंद्र सरकार द्वारा निर्यात बढ़ाने और भुगतान संतुलन सुधारने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। बीते 7 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.13 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी के साथ 707 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह लगातार छठा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार 7 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.136 अरब बढ़कर 707.002 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार छठी साप्ताहिक बढ़ोतरी है और भंडार को चार महीने के शीर्ष पर ले गई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 10.512 अरब की अच्छी-खासी वृद्धि दर्ज की गई थी। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी 2026 के 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर से कुछ नीचे है। इस वृद्धि में विदेशी मुद्रा आस्तियों और स्वर्ण भंडार का अहम योगदान रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों में 9.946 अरब का इजाफा हुआ, जिससे यह 574.625 अरब डॉलर हो गया।

इंडियन बैंक कारोबार विस्तार हेतु जुटाएगा 1 अरब डॉलर

120वीं वर्षगांठ पर नई शाखाएं व डिजिटल पहल शुरू

चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक अपने कारोबार विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए तैयार है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बैंक की कुल योजना ईसीबी से लगभग एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा से लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है, जिसमें से 1.5 अरब डॉलर पहले ही प्राप्त हो चुका है। अे धिकारी के अनुसार, बैंक दिसंबर 2026 तक भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। एफसीएनआर-बी जमा के बेहतर प्रवाह को देखते हुए, आरबीआई ने निर्धारित समय से पहले ही विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जमा जुटाने की अवधि समाप्त कर दी है। हालांकि, ईसीबी और अन्य विदेशी मुद्रा उधारी के लिए समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बनी हुई है। वित्तीय विस्तार के साथ, इंडियन बैंक ने हाल ही में अपनी 120वीं स्थापना दिवस (15 अगस्त को) मनाया। इस अवसर पर, बैंक ने देश भर में 15 नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया और साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबी साइबर कैप्टन नामक एक शुभंकर पेश किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से तीन भाषाओं में वॉयस बैंकिंग सेवा सहित कई नई डिजिटल पहल भी शुरू कीं।

सरकारी खरीद में महंगाई का नया पैमाना, डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का निर्देश

- उत्पादक स्तर पर कीमतों का सटीक आकलन, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य के सरकारी अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी ठेकों में लागत समायोजन को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। व्यय विभाग ने पिछले माह एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर मंत्रालयों और विभागों को पीपीआई उपलब्ध होने पर इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर मूल्य परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकृत सूचकांक है। यह कदम

परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान समायोजन सुनिश्चित करेगा, जिससे सरकार और ठेकेदार दोनों के लिए महंगाई के प्रभाव को साझा करने में मदद मिलेगी। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून 2023 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू कर दिया है। वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सर्वाधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है, जबकि कृषि, बिजली और खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

सेवा क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार सहित सात प्रमुख सेवाओं को पहले चरण में शामिल किया गया है। यह पहल भारत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की प्रणाली के अनुरूप लाएगी और डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देती है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ घटा

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान अभी भी नंबर वन पर

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख रहा, जिसके चलते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बड़ी कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को इस दौरान सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस गिरावट का असर शीर्ष कंपनियों पर स्पष्ट दिखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में कमी दर्ज की गई। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्य में कुल मिलाकर करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमी हुई। टीसीएस का मार्केट कैप सर्वाधिक 34,263.28 करोड़ रुपये घटकर 8.53 लाख करोड़ रुपये रह गया।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपये घट गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी हुई।

ई20 माइलेज के लिए अकेला जिम्मेदार नहीं, मिलावट के दावे भी खारिज- सरकार

-मंत्रालय ने बताया- माइलेज कई कारकों पर निर्भर, मिलावट के दावे भी बेबुनियाद

नई दिल्ली ।

ई20 पेट्रोल से जुड़े माइलेज में कमी और मिलावट के आरोपों पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि वाहनों के माइलेज में गिरावट के लिए सिर्फ ई20 को जिम्मेदार ठहराना गलत है। मंत्रालय ने ईंधन में मिलावट के दावों को भी बेबुनियाद बताया। मंत्रालय के अनुसार वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग की आदतें, ट्रैफिक, गाड़ी का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एयर-कंडीशनर के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। सरकार ने माना है कि ई10 के हिसाब से बनी पुरानी गाड़ियों में ई20 से 3 से 5 प्रतिशत तक मामूली कमी आ सकती है। ई20 पेट्रोल को लॉन्च से पहले गहन परीक्षण किया गया था, जिसमें इंजन की मजबूती और कंपैटिबिलिटी जांची गई थी। ई20 पेट्रोल में कथित मिलावट या दूषित ईंधन की शिकायतों को भी खारिज किया गया है। तेल कंपनियों ने देशभर में किए गए परीक्षणों में क्लोराइड या नमी का कोई सबूत नहीं पाया। रिफाइनरियों, डिस्टिलरियों और डिपो से लिए गए सैकड़ों सैंपल में क्लोराइड का स्तर निर्धारित सीमा से कम था। लगभग 90,000 पेट्रोल पंपों के भूमिगत स्टोरेज टैंकों की जांच में भी पानी घुसने का कोई मामला नहीं मिला।

अगले हफ्ते 50 शेयरों में डिविडेंड से कमाई का मौका- पेज इंडस्ट्रीज की बंपर आय

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले सप्ताह शानदार मौका आ रहा है, जहाँ 17 से 21 अगस्त, 2026 के बीच कुल 50 कंपनियां एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कैलेंडर के अनुसार, ये कंपनियां निवेशकों के लिए डिविडेंड, स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में बैंकिंग, फाइनेंस, गैस, ऑटो और कंज्यूमर जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को अच्छी कमाई का मौका देंगी।

इन 50 कंपनियों ने मिलकर कुल मिलाकर प्रति शेयर लगभग 929 रुपये तक का भारी डिविडेंड घोषित किया है। विशेष रूप से, 17 अगस्त को द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड 500 रुपये का फाइनल डिविडेंड और एसकेएफ इंडिया लिमिटेड 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा। बंधन बैंक लिमिटेड भी इसी दिन 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देगा।

18 अगस्त को महानगर गैस लिमिटेड 18 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा, जबकि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भी 0.71 रुपये का फाइनल डिविडेंड पेश करेगा।

अगले दिन, 19 अगस्त को, पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने निवेशकों को 200 का भारी अंतरिम डिविडेंड देकर आकर्षित करेगा, वहीं बाटा इंडिया लिमिटेड भी 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा।

सप्ताह के अंत में, 20 अगस्त को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड 4.62 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा। इसके बाद, 21 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 10 रुपये का फाइनल डिविडेंड और जिंदल स्टील लिमिटेड 2 रुपये का फाइनल डिविडेंड वितरित करेगा। इन डिविडेंड घोषणाओं के अलावा, किर्लोस्कर न्यूमैटिक कंपनी जैसे कुछ शेयर स्टॉक स्प्लिट और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स जैसे बोनस इश्यू के लिए भी एक्स-डेट पर जाएंगे, जिससे निवेशकों को विविध लाभ मिलने की उम्मीद है। यह सप्ताह बाजार में सक्रिय निवेशकों के लिए खास रहने वाला है।

लागत से नीचे बिक्री से सोयाबीन, सीपीओ और पामोलिन तेलों में गिरावट, सरसों भी प्रभावित

आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव सरकारी बैंकों और किसानों के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल बाजार में आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली के कारण बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलिन जैसे आयातित खाद्य तेलों में लगातार गिरावट बनी रही, जिससे घरेलू बाजार की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और सरसों तेल के दाम भी नीचे आए। इस बिक्री के पीछे आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव बताया जा रहा है, जो सरकारी बैंकों और अंततः किसानों के लिए चिंता का विषय बन रहा है।

आयातित तेलों के 22-28 रुपये प्रति किलो सस्ते होने के कारण घरेलू मांग कमजोर रही। इसका असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ा, जिनकी कीमतें स्थिर रहीं। सरसों तिलहन और तेल में भी कोई खास बदलाव नहीं आया, क्योंकि किसान कम दाम पर बेचने को तैयार नहीं थे और ऊंचे भाव पर तेल खप नहीं रहा था।

इसके विपरीत केवल बिनौला तेल में ब्रांडेड कंपनियों की बढ़ती मांग और कम उपलब्धता के कारण तेजी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। जबकि सरसों तेल दादरी 25 रुपये की गिरावट के साथ 16,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,900-6,950 रुपये और 6,750-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

यूनिटेक में 15,000 घर खरीदार फंसे, 15 साल की देरी! एसी से जल्द समाधान की गुहार

खरीदारों ने खाली संपत्तियों की नीलामी और तत्काल नए सीएमडी की मांग की

नई दिल्ली ।

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड की अटकी परियोजनाओं से जुड़े हजारों घर खरीदारों ने निर्माण कार्यों के लिए धन की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही, खरीदारों ने कंपनी के लिए नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण पद पिछले एक महीने से खाली पड़ा है। यूनिटेक में सीएमडी का पद पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से रिक्त है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने नए सीएमडी के लिए नाम प्रस्तावित किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी का इंतजार है। खरीदार संगठनों का मानना है कि इस पद पर नियुक्ति में देरी परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में यूनिटेक की आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में लगभग 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं 15 साल से अधिक की देरी से चल रही हैं। गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन जैसी कई खरीदार संघों का कहना है कि उन्हें अपने घरों का 16 साल से अधिक समय से इंतजार है। खरीदारों का अनुमान है कि सभी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 11,000-12,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जबकि ग्राहकों से केवल 3,000 करोड़ रुपये ही जुटाए जा सकते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2,455.73 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया था। यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन और एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने ऋणदाताओं के दावों का पुनर्मूल्यांकन करने और उन पर ब्याज भुगतान रोकने का भी आह्वान किया है। एंथिया फ्लोर्स खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है, ताकि संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

विदेशी करेंसी की मांग में छोटे शहर बने नए ग्रोथ इंजन- रिपोर्ट

टियर-2 और टियर-3 शहरों की कुल हिस्सेदारी 53 फीसदी

नई दिल्ली ।

भारत में विदेशी करेंसी (फॉरेक्स) की मांग अब केवल देश के मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि छोटे शहर इसके नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभरे हैं। थॉमस कुक इंडिया की फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, विदेशी मुद्रा की कुल मांग में टियर-2 और टियर-3 शहरों की संयुक्त हिस्सेदारी आधे से ज्यादा (53 फीसदी) हो गई है, जो टियर-1 शहरों से अधिक है। यह आंकड़ा भारत में आर्थिक विकास के विकेंद्रीकरण और छोटे शहरों के निवासियों की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि समीक्षाधीन अवधि में, अकेले टियर-2 शहरों की हिस्सेदारी 41 फीसदी रही, जबकि टियर-3 शहरों का योगदान 12 फीसदी था, जिससे संयुक्त हिस्सेदारी 53 फीसदी हो गई। इसके विपरीत, मेट्रो शहरों सहित टियर-1 शहरों का योगदान 47 फीसदी रहा। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि उभरता हुआ भारत फॉरेक्स ग्रोथ के अगले चरण को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर कुल मांग के आधे से ज यादा हिस्से का योगदान कर रहे हैं। फॉरेक्स की मांग का सबसे बड़ा हिस्सा घूमने-फिरने (पर्यटन) से जुड़ा है, जिसकी कुल ट्रांजैक्शन में 57त्न हिस्सेदारी थी। कॉर्पोरेट यात्रा का योगदान 27 फीसदी और छात्रों की विदेश यात्रा का 16 फीसदी रहा। यह दर्शाता है कि भारतीय अब सिर्फ व्यापार या पढ़ाई के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यटन के लिए भी विदेशों का रुख कर रहे हैं। उम्र के हिसाब से, 25-40 साल के आयु वर्ग ने फॉरेक्स के इस्तेमाल में सर्वाधिक (37 फीसदी) योगदान दिया, इसके बाद 41-60 साल के यात्रियों (36 फीसदी) का स्थान रहा। मिलेनियल्स और जेन-एक्स मिलकर फॉरेक्स के उपयोग का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा बनाते हैं, जबकि वरिष्ठ यात्री (60+ साल) भी 21 फीसदी के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुद्राओं की पसंद में, अमेरिकी डॉलर 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। यूरो और ब्रिटिश पाउंड जैसी यूरोपीय मुद्राओं की हिस्सेदारी 23 फीसदी थी। एशियाई मुद्राएं (थाई बहत, सिंगापुर डॉलर) 11 फीसदी और मिडिल ईस्ट की मुद्राएं (यूएई दिरहम, सऊदी रियाल) 9 फीसदी हिस्सेदारी रखती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रतिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीर्त तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत- अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ

भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन- प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गार्ड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

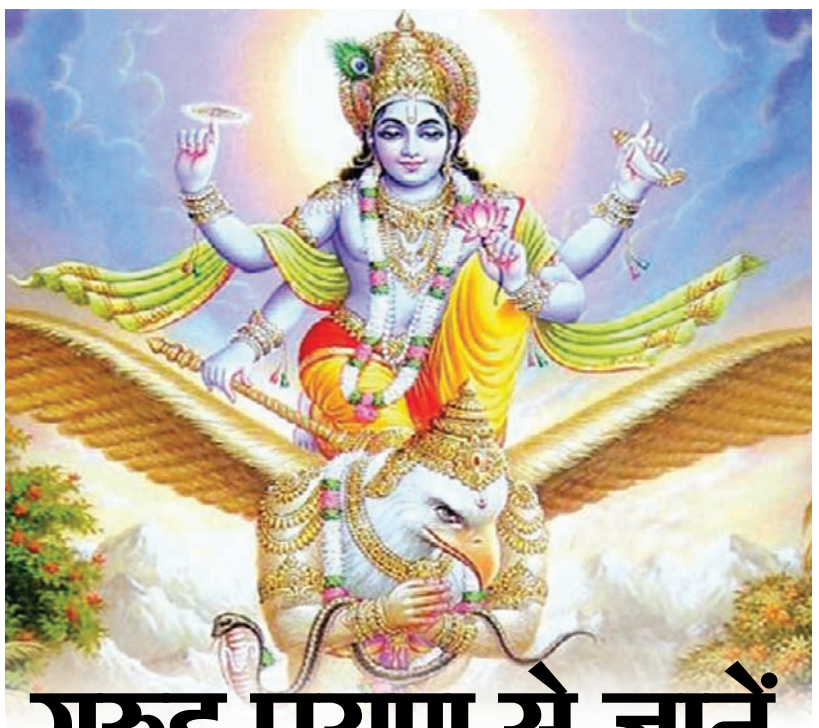

गरुड़ पुराण से जानें कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जूड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत- जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय

हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

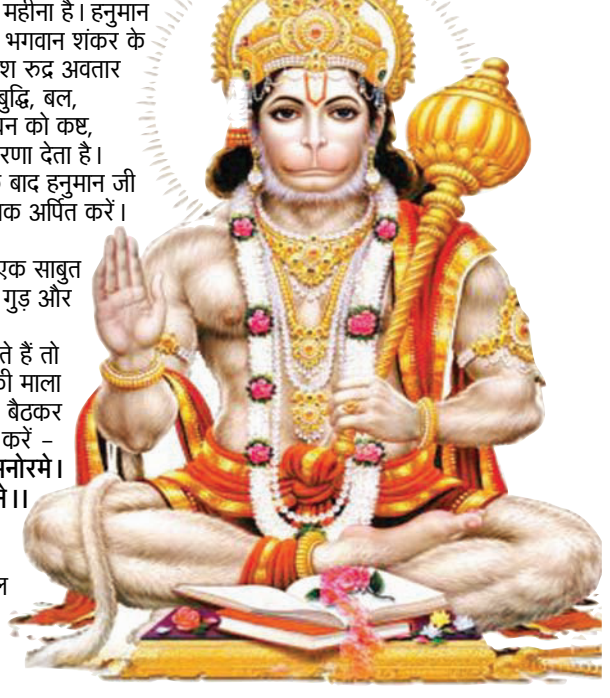

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंटेनर ने ऑटो को रौंदा, 7 लोगों की मौत , झारखंड में भीषण सड़क हादसा

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले लोहरदगा-चंदवा मुख्य मार्ग पर स्थित डेढ़टंगवा घाटी में एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कुल सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लोहरदगा की तरफ से आ रहा एक भारी कंटेनर घाटी के तीखे ढलान पर अचानक पूरी तरह से अनियंत्रित हो गया। बेकाबू हुए इस कंटेनर ने सबसे पहले चंदवा से लोहरदगा जा रहे एक बाइक और ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण टक्कर के कारण बाइक पर सवार एक महिला और बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा, ऑटो में सवार चार लोगों की भी मौत होने की पुष्टि हुई है। एक के बाद एक दो वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने इस मामले में आगे की कानूनी जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

किसानों का दिल्ली कूच का ऐलान : हरियाणा-पंजाब बॉर्डर सील, बढ़ा तनाव

जींद (एजेंसी)। किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद, हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर को देर रात सील किया गया है, जिससे जींद सहित सीमावर्ती इलाकों में तनाव बढ़ गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के प्रमुख नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में 16 अगस्त से किसान बचाओ पदयात्रा शुरू करने का आह्वान किया है। यह 228 किलोमीटर लंबी पदयात्रा दातासिंहवाला से शुरु होकर 29 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर समाप्त होगी। किसानों को राजधानी पहुंचने से रोकने के लिए जींद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बॉर्डर पर पाँच लेयर की कड़ी बैरिकेडिंग के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है, ताकि किसानों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। इससे पहले, शनिवार को जींद में किसान नेताओं और पुलिस के बीच मामूली झड़प भी देखने को मिली थी, जिससे स्थिति की गंभीरता और बढ़ गई है। इस पैदल यात्रा में 51 मुख्य किसानों के अलावा 200 अन्य किसान भी शामिल हैं।

गुरदासपुर जिले में पेड़ पर गुब्बारे में पाकिस्तानी झंडा लगा मिला, मचा हड़कंप

गुरदासपुर (एजेंसी)। गुरदासपुर जिले में पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारा मिलने की सूचना मिली है। जिले के कलानौर थाने के बॉर्डर गांव रसूलपुर के खेतों में सफेदे के पेड़ पर पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारे लटके मिले। जानकारी के मुताबिक सुबह गांव के बाहर नहर विभाग की माइनर सड़क पर पेड़ से गुब्बारों से बंधे दर्जनों हरे और सफेद रंग के पाकिस्तानी झंडे लटके देखे गए। जब कलानौर थाने को इन गुब्बारों और पाकिस्तानी झंडे की सूचना मिली, तो पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के सरपंच भी मौके पर पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने सफेदे के पेड़ पर लटके पाकिस्तानी झंडे और गुब्बारों को अपने कब्जे में लिया। पाकिस्तानी गुब्बारों पर दिल दिल पाकिस्तान लिखा था। इस बीच जब इस संबंध में थाना प्रमुख कलानौर से बात की तो उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारों को अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर अचानक चली गोली, दो कर्मचारी घायल

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के हथियार से अचानक गोली चल गई। इस घटना में एयरपोर्ट पर तैनात दो सुरक्षा कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद कुछ समय के लिए पूरे टर्मिनल भवन में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह करीब 9:30 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर सब कुछ सामान्य था। आजमगढ़ निवासी कमलेश राय (55) अपनी पत्नी के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने के लिए पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को पहले ही जानकारी दे दी थी कि उनके पास लाइसेंसी हथियार मौजूद है। नियम के मुताबिक हवाई यात्रा के दौरान लाइसेंसी असलहे को जमा करके पायलट केबिन में सुरक्षित रखा जाता है। इसके लिए हथियार से मैगजीन को अलग करना जरूरी होता है। जब यात्री कमलेश अपनी पिस्टल से मैगजीन निकाल रहे थे, तभी अचानक पिस्टल का ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली चलते ही मौके पर तैनात दो सुरक्षाकर्मी इसकी चपेट में आ गए। एक महिला कर्मचारी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरी गोली पुरुष कर्मचारी के हाथ को छूती हुई निकल गई। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है।

पंजाब भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल से नाराजगी, धड़ाधड़ इस्तीफे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब भाजपा में हालिया संगठनात्मक फेरबदल के बाद अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पार्टी ने करीब दो सप्ताह के भीतर छह जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। जिसके बाद कई पुराने और वरिष्ठ नेताओं ने विरोध जताते हुए संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। सबसे ज्यादा विरोध होशियारपुर में देखने को मिला। जिला अध्यक्ष के बदले जाने के बाद वरिष्ठ नेता तीक्ष्ण सूद ने संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दिया। उनके समर्थन में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सामूहिक इस्तीफे की बात सामने आई है। फरीदकोट में भी जिला अध्यक्ष बदलने के विरोध में मंडल अध्यक्ष सहित करीब 10 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया है।

दिमागी नक्सलवाद पर मचा सियासी घमासान, कई नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले से दिए गए भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल ने देश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा था कि देश में जहां एक तरफ हथियारबंद नक्सलवाद खात्मे की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दिमागी नक्सल समाज में अराजकता फैलाने और युवाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। इस बयान पर कांग्रेस, सीपीआई, तृणमूल कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) समेत तमाम विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी का बयान के सामने आते ही विपक्षी दलों ने उन पर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पहले उन्होंने अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा, अब वे उन्हें दिमागी नक्सल कह रहे हैं। यह उनकी हताशा का स्पष्ट संकेत है। पीएम अक्सर उन्हीं नीतियों को अपनाते हैं जिनकी सलाह उनकी तरफ से निशाना बनाए गए लोग देते हैं।वहीं सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता और स्वतंत्र पत्रकार सौरभ दास ने पीएम की शब्दावली पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, दिमागी नक्सल या ऐसा कोई भी ठप्पा काम नहीं आने वाला, प्रधानमंत्री जी ! आप देश के शिक्षित युवाओं को सिर्फ इसलिए नक्सली कैसे कह सकते हैं क्योंकि वे आपकी सरकार से सवाल पूछते हैं? यह सरासर अहंकार और युवाओं की समस्याओं को हल करने में नाकामी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वैचारिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, सुरक्षा बलों ने जंगलों में जारी बंदूकधारी माओवादी उग्रवाद को लगभग ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन नक्सली विचारधारा वाले लोग अब दिमागी नक्सल के रूप में देश को गलत रास्ते पर ले जाने और युवाओं को गुमराह करने के मौकों की तलाश में हैं।पीएम ने कहा कि माओवादी विचारधारा ने दशकों तक सत्ता के गलियारों और सलाहकार समितियों में पैठ बनाकर सरकारी नीतियों को प्रभावित किया था। हमें इन दिमागी नक्सलियों को अलग-थलग करना होगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने कहा कि राइट-विंग ट्रॉप्स में एंटी-नेशनल और टुकड़े-टुकड़े गैंग के बाद अब पीएम ने दिमागी नक्सल का एक नया निरर्थक लेबल जोड़ दिया है। यह असहमति की आवाजों को दबाने और रोजगार-शिक्षा मांगने वाले युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है।टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पीएम के बयान पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हां, मैं एक दिमागी नक्सल हूं। परिभाषा के मुताबिक सभी कॉकरोच होते हैं। 2027 और 2028 के आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले लाल किले से आया यह बयान आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा बहस का एक मुख्य केंद्र बनने वाला है।

देश में मानसून का कहर : यूपी में जलभराव, उत्तराखंड में हाईवे बंद, हिमाचल में 183 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने फिर कहर बरपाया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महज कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कें दो फीट तक पानी में डूब गईं, वहीं गोमती नगर, हजरतगंज और जानकीपुरम जैसे पॉश इलाकों सहित कई जगह घरों के बेडरूम और किचन तक पानी घुस गया। वाराणसी में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे घाट किनारे के 100 से अधिक छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान पर आने से यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल डूब गया है और पानी कॉलोनियों तक पहुंच गया है। प्रदेश में कुल 11 नदियां खतरे के निशान पर हैं। उत्तराखंड के चमौली में भारी बारिश से बाजपुर के पास पहाड़ खिसक गया, जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हुआ है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। हिमाचल में 30 जून से 15 अगस्त के बीच मानसून संबंधी घटनाओं में अब तक 183 लोगों की मौत हुई है और शनिवार शाम तक 103 सड़कें बंद थीं। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के कारण जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं राजस्थान में भी 10 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जहां शनिवार को भरतपुर, धौलपुर सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश दर्ज की गई।

अयोध्या के राम मंदिर में लागू हुआ नया परिधान नियम , एक समान पारंपरिक वेशभूषा में नजर आएंगे पुजारी

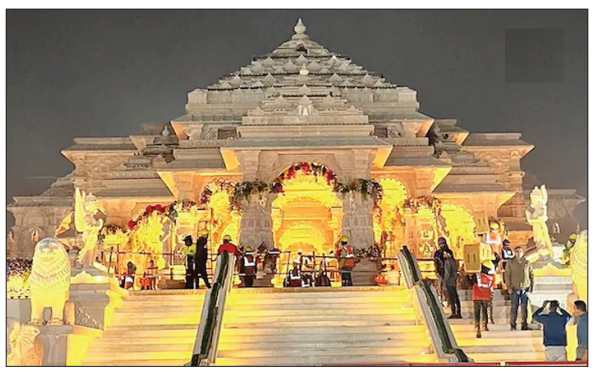

अयोध्या(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित ऐतिहासिक श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पुजारियों के लिए नई वेशभूषा की व्यवस्था लागू कर दी गई है। मंदिर के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि अब मंदिर के सभी पुजारी एक समान पारंपरिक परिधान में नजर आएंगे, जिससे पूजा-अर्चना और सेवा व्यवस्था में अधिक अनुशासन और एकरूपता देखने को मिलेगी।

मंदिर न्यास की धार्मिक समिति की सदस्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने बताया कि यह नया परिधान पूरी तरह से रामानंदी परंपरा के अनुरूप तय किया गया है। इसके तहत सभी पुजारी अब हल्के पीले रंग की रेशमी धोती और उसी रंग का रेशमी उत्तरीय धारण करेंगे। भगवान राम को हल्का पीला रंग अत्यंत प्रिय माना जाता है, इसलिए विशेष रूप से इसी रंग को इस परिधान के लिए चुना गया है। नए नियमों के अंतर्गत पुजारियों की साज-सज्जा से जुड़े कड़े मानक भी निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पुजारियों को या तो पंचकेश परंपरा का पालन करना होगा या फिर वे पूरी तरह से मुंडित रहेंगे। मंदिर परिसर में आंशिक रूप से बढ़े हुए बाल या दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, रामानंदी परंपरा के अनुसार माथे पर विशेष तिलक धारण करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। धार्मिक समिति के अन्य सदस्य महंत राजकुमार दास ने स्पष्ट किया कि वस्त्रों की पवित्रता और शुद्धता को सर्वोपरि रखते हुए रेशमी परिधान का चयन किया गया है। समिति का मानना है कि इस नई व्यवस्था से मंदिर की धार्मिक गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी।

सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए कराया तंत्र-मंत्र

तेलंगाना में तंत्र-मंत्र को लेकर राजनीति गर्माई

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों एक अजीबोगरीब और गंभीर विवाद ने जन्म ले लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य विपक्षी दल भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। संगारेड्डी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीआरएस के नेता कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने और उसे बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र और काले जादू का सहारा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नेता राज्य में सूखे की स्थिति पैदा होने और किसानों की परेशानियों के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं, ताकि सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना बीआरएस विधायक टी. हरीश राव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव ने कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र अनुष्ठान किए हैं। इस विवाद को हवा देते हुए तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने भी पूर्व में यह दावा किया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश को रोकने के लिए क्षुद्र पूजा का आयोजन किया था। इससे पहले 13 अगस्त को भी मुख्यमंत्री ने बीआरएस पर इसी तरह के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने रायथु भरोसा योजना के तहत लगभग 70 लाख किसानों के बैंक खातों में 36 हजार करोड़ रुपए की राशि स्थानांतरित की है। उन्होंने दावा किया कि एल नीनो के प्रभाव के बावजूद गोदावरी और कृष्णा नदियों में पर्याप्त जल उपलब्धता बनी रही। साथ ही, राज्य सरकार की ओर से हर महीने 3.48 करोड़ लोगों को 2 लाख क्विंटल से अधिक चावल वितरित किया जा रहा है।

दूसरी ओर, बीआरएस नेता हरीश राव ने मुख्यमंत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर पलटवार किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर स्वतंत्रता दिवस जैसे गरिमापूर्ण अवसर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि वे भ्रष्टाचार, अधूरी किसान कर्ज माफी और खाद की कमी जैसे जनहित के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं, जिससे बौखलाकर मुख्यमंत्री उन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आगे भी किसानों, बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज उठाते रहेंगे। हरीश राव ने चेतावनी दी है कि वे मुख्यमंत्री के इन आरोपों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।

भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा : शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा। इसके साथ उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की तेजी से हो रही तरक्की का जिक्र किया। ठाणे के जिलाधिकारी कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने तकनीक की अच्छी समझ रखने वाले जेन-जी को भारत की असली महाशक्ति बताया और उन्हें स्टार्टअप, एआई समाधानों और हरित प्रौद्योगिकियों के जरिए नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिंदे ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी से संचालित विकास रणनीति पर जोर देते हुए रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की यात्रा में महाराष्ट्र देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि अपने गृह क्षेत्र ठाणे को एक आधुनिक केंद्र में बदलने के लिए कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। शिंदे ने ठाणे आंतरिक मेट्रो गलियारा, ठाणे-बोरीवली दोहरी सुरंग वाली सड़क परियोजना और शहर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त 6,059 सुरक्षा कैमरे लगाने की परियोजना पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

कॉजपा ने युवाओं को नक्सली कहने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने ''दिमागी नक्सल'' सोच रखने वाले तत्वों का उल्लेख किया था।

स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि जहां एक ओर सशस्त्र नक्सलवाद का खतरा अब समाप्ति की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर ''दिमागी नक्सल'' मानसिकता वाले कुछ लोग देश में अशांति और हिंसा फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं तथा समाज को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया था कि ऐसे लोगों की पहचान करके उन्हें अलग-थलग किया जाना चाहिए और युवाओं को सकारात्मक दिशा में मुख्यधारा से जोड़ा जाना चाहिए। इस बयान पर पलटवार करते हुए कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि केवल सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले पढ़े-लिखे युवाओं को ''नक्सली'' करार देना उचित नहीं है। दास ने इसे सरकार का अहंकार और जनता की समस्याओं को हल करने में विफलता करार देते हुए कहा कि ऐसी बातें काम नहीं आएंगी और अब बदलाव का समय आ गया है।अपने एक अन्य संदेश में दास ने दावा किया कि देश एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां लोगों के मन से डर की भावना समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि जिस पीढ़ी को हमेशा चुप रहने की सीख दी गई थी, आज उसे अपनी आवाज और माध्यम मिल चुका है। शांतिपूर्ण विरोध और जन-जागृति के इस नए दौर में लोग धीरे-धीरे पुरानी व्यवस्थाओं को पीछे छोड़ रहे हैं। इसके साथ ही, कॉजपा प्रवक्ता ने सत्ता पक्ष पर युवाओं को बांटने की कोशिश करने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के हर कोने में निराशा से उबरकर लोग एकजुट हो रहे हैं और खुद को कमजोर समझने वाले नागरिक अब सामूहिक ताकत महसूस कर रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बयान के बाद जुबानी जंग तेज हो गई है।

महुआ मोइत्रा से सर्किट हाउस खाली कराने के आदेश पर बवाल, बाहर जुटी हमलावर भीड़

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णनगर सर्किट हाउस में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को देर रात कमरा खाली करने के लिए कहे जाने से विवाद खड़ा हो गया है। महुआ मोइत्रा के अनुसार, वह 14 अगस्त की शाम करीब 6:15 बजे सर्किट हाउस पहुंची थीं. रात 9:47 बजे अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने उन्हें कमरा खाली करने के लिए कहा। उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए आदेश भेजा गया. जिसमें सर्किट हाउस में वार्षिक सफाई और रखरखाव का हवाला दिया गया था।

महुआ के मुताबिक, उन्होंने तत्काल कमरा खाली करने से इनकार कर दिया। इसके बाद सर्किट हाउस के बाहर लोग भारी संख्या में जुट गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया, भीड़ का उद्देश्य उन्हें डराना और दबाव बनाना था। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं के ऊपर अंडा फेंकने और उनके साथ मारपीट किए जाने की कई घटनाएं इसके पहले हो चुकी हैं. ऐसी स्थिति में संसद को सर्किट हाउस का कमरा रात में खाली करने के आदेश को लेकर बड़ा बवाल मच गया है. सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सीने में गोली खाई है महुआ मोइत्रा अंडा खाने से डर रही हैं. इसको लेकर पश्चिम बंगाल में अब बड़ा बवाल मच गया है.

महुआ ने पूरे मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से करते हुए महिला सांसद की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा उठाया है। सरकार के इशारे पर प्रशासन के आदेश को जोड़कर देखा गया है। इस मामले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया विवाद पैदा कर दिया है।

जल्द भारत दौरे पर आएंगे बांग्लादेश के पीएम रहमान ! ब्रिक्स को लेकर संशय

-रहमान दिल्ली आए तो गंगाजल संधि और ऊर्जा समझौतों को शुरू करने का रास्ता होगा साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान का भारत दौरा तकरीबन तय हो गया है। दोनों देशों के अधिकारी तारिक रहमान के जल्द से जल्द नई दिल्ली दौरे की तैयारी कर रहे हैं। कोशिश की जा रही है कि इस महीने के आखिर तक या सितंबर महीने के पहले हफ्ते में तारिक रहमान नई दिल्ली आ सकते हैं ताकि दोनों देशों के बीच के रिश्ते को सामान्य किया जा सके। अधिकारियों को उम्मीद है कि तारिक रहमान अगर दिल्ली आते हैं तो गंगा जल संधि और ऊर्जा समझौतों को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके अलावा भारत ने पिछले साल मई में बांग्लादेश पर जो व्यापारिक प्रतिबंध लगाए थे उसे भी खत्म किया जा सकेगा। राजनयिक सूत्रों ने उम्मीद जताई कि आने वाले कुछ दिनों में सकारात्मक घटनाक्रम हो सकते हैं। ढाका में सूत्रों ने दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत पर संतोष जताया है, लेकिन चेतावनी दी है कि भारत से बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना या उनकी पार्टी अवामी लीग की लगातार गतिविधियां नई पहलों पर असर डाल सकती हैं। हालात को जल्द से जल्द सामान्य करना होगा क्योंकि राजनयिक बातचीत का मौका जल्द ही खत्म हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि साल के बचे हुए चार महीनों में भारतीय नेतृत्व के लिए अन्य दौरे और कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच बातचीत का सिलसिला 10 अगस्त को शुरू हुआ जब उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने ढाका में सचिवालय में तारिक रहमान से मुलाकात की थी। यह बैठक उस तनाव के माहौल में हुई जो 5 अगस्त को नई दिल्ली के फॉरेन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब में शेख हसीना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस से पैदा हुआ था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस से बहुत नाराज है और उसने इस घटना को बांग्लादेश की संप्रभुता का अपमान बताया।

बता दें भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले 10 दिनों में एक के साथ एक कई घटनाएं घटी हैं। 9 अगस्त को बांग्लादेश ने भारत सरकार की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के सेक्रेटरी पराग जैन के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की थी। जबकि शेख हसीना के प्रेस कॉन्फ्रेंस से भारतीय विदेश मंत्रालय ने खुद को अलग कर लिया। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय ने तारिक रहमान को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भी न्योता भेजा है। हालांकि तारिक रहमान ब्रिक्स में शायद ही भारत आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोलंबिया भूकंप : मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं। हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई है।

करीबा झील में नाव डूबी, 72 की मौत, 18 बच्चे भी शामिल

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की करीबा झील में हुए नौका हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुई है, जिसमें हाल ही में 26 और शव बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे भी शामिल हैं। तेज लहरों के कारण यह पुरानी नौका पलट गई थी। यह नौका करीबा शहर से ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी, जहाँ सड़के क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे, जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता केवल 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचाया गया है। हालांकि, प्राधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि नौका में कुल कितने लोग सवार थे या कितने लोग लापता हैं। मृतकों में शामिल बच्चों में 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी, और सबसे छोटा बच्चा मात्र एक वर्ष का था।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल ने किए हवाई हमले, 7 लोगों की मौत

बैरूत (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात आम लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि बचावकर्मी और चिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित ''फ्रेमवर्क समझौते'' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की वापसी के बदले ईरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी।

पहले 900 लोगों को नौकरी से निकाला, अब खुद तलाश रहे जॉब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ऑनलाइन मॉर्गेज कंपनी बेटर डॉट कॉम के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। करीब पांच साल पहले उन्होंने एक वीडियो मीटिंग के जरिए एक झटके में करीब नौ सौ कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था, जिसके बाद उनके कामकाज के तरीके और फैसले की वैश्विक स्तर पर भारी आलोचना हुई थी। अब समय का पहिया ऐसा घूमा है कि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जिस कंपनी की कमान कभी पूरी तरह विशाल गर्ग के हाथों में थी, उसी कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि अब विशाल गर्ग अपनी वही पुरानी कुर्सी वापस पाने के लिए वकीलों के माध्यम से कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच खुद के लिए जॉब की तलाश भी करने में जुटे है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अमेरिका ने हटाया अंतिम विमानवाहक पोत , अब चीन ने उड़ाया मजाक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में चल रहे सैन्य अभियानों को प्राथमिकता देते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अपने अंतिम विमानवाहक युद्धपोत को भी वापस बुला लिया है। इस सामरिक बदलाव पर चीन ने खुली प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के कई एशियाई सहयोगी देशों का मजाक उड़ाया है और कटाक्ष किया है कि अमेरिका ने उन्हें धोखा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन नामक इस युद्धपोत को अब मध्य पूर्व में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्थान पर भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका का एक भी विमानवाहक पोत मौजूद नहीं है, जिससे ताइवान, जापान और फिलीपींस जैसे एशियाई सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी व्यापक सैन्य अभियानों और तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना के जहाजों और सैनिकों पर अत्यधिक दबाव बन गया है। निरंतर समुद्री तैनाती के चलते सैनिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उसके दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिसका सीधा फायदा उठाते हुए चीन क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन का रुस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

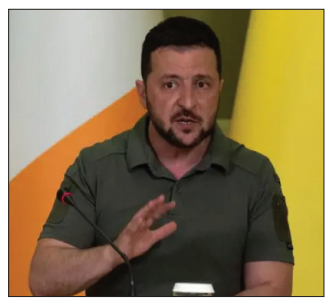

मास्को (एजेंसी)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने ÷बड़े पैमाने पर÷ मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ÷स्थानीय स्तर पर नुकसान÷ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। रुस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं। रूस के अंदर दूर तक बार-बार किए जा रहे हमलों के कारण रूसी सेना को बड़े क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा काला सागर, आजोव सागर और रूस द्वारा कब्जे में लिए गए यूक्रेनी क्षेत्र क्रीमिया के ऊपर यूक्रेन के 598 ड्रोन मार गिराए। स्थानीय अधिकारी आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि वहीं, मॉस्को क्षेत्र के शातुरा शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक निजी मकान को निशाना बनाए जाने से दो लोग घायल हुए। उन्होंने बताया कि घायलों में नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में शनिवार को एक अपार्टमेंट पर रूस के हमले में तीन महीने के एक बच्चे की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। दिनप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि मारहानत्स शहर में इमारत को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने शनिवार को देश पर 152 ड्रोन दागे, जिनमें से 124 को नष्ट कर दिया गया।

बेल्जियम में खुदाई में मिला 900 करोड़ का सोना, मजदूरों की आंखें खुली रह गई

बेल्जियम। बेल्जियम में सीवर लाइन की खुदाई कर रहे एक 18 वर्षीय मजदूर सहित उसके साथियों को जमीन के नीचे छिपा करीब 9 मिलियन यूरो भारतीय मुद्रा में (लगभग 900 करोड़ रुपये) का सोना मिला है। यह घटना ब्रसेल्स से करीब 30 किलोमीटर दूर सिंट-गिलिस-डेंडरमोंडे में एक पुरानी शराब बनाने की फैक्ट्री के परिसर में हुई। मजदूरों को शुरुआत में कुछ सिक्के दिखाई दिए. जिन्हें उन्होंने सामान्य एक यूरो के सिक्के समझा। आगे खुदाई करने पर सोने की ईंटें और सिक्के मिलने लगे। जांच में पता चला कि सोना एक पुराने भवन की तहखाने की दीवार में ईंटों के पीछे छिपाकर रखा गया था। खजाने में सोने के सिक्कों के अलावा नंबर वाले गोल्ड बार भी शामिल हैं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पूरा खजाना सुरक्षित सरकारी भंडार में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने सोने के असली मालिक और उसके स्रोत की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं सोना चोरी या किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा तो नहीं है। बेल्जियम कानून के तहत संभावित दावेदारों को अपना अधिकार जताने के लिए पांच वर्ष का समय मिलता है। अभी कोई दावेदार सामने नहीं आया है।

ह्यूस्टन में गूंजा जय हिंद: भारतीय समुदाय ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय समुदाय ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह पहुंचे लोगों के लिए परिसर को गेंदों की मालाओं और ध्वज के तीन रंगों की झालरों से खूबसूरती से सजाया गया था।

कार्यक्रम का आरंभ उपस्थित लोगों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इसके बाद फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच ध्वजारोहण हुआ और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान जन गण मन गाया। महावाणिज्य दूत डी. सी.मंजूनाथ ने ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्र के नाम दिए संबोधन को पढ़ा। उन्होंने समुदाय को भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया और विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

समारोह में देशभक्ति गीतों का गायन हुआ, विकसित भारत विषय पर विशेष रूप से तैयार चित्रों की प्रदर्शनी लगी और भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति रेणु खटोर, फोर्ट बेंड काउंटी के न्यायाधीश डेनियल वोंग, हैरिस काउंटी की आयुक्त लेस्ली ब्रियोनेस सहित कई निर्वाचित अधिकारियों और नगर निकाय संगठनों के प्रमुखों ने भी भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास में कार्यक्रम के बाद, मंजूनाथ ने इंडिया हाउस ह्यूस्टन स्थित ओ. पी. जिंदल सेंटर में आयोजित अन्य समारोह में भी भारतीय समुदाय के नेताओं और सदस्यों के साथ भाग लिया।

इंडोनेशिया में फिर आया 6.5 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं; अब तक 47 मौतें

-समुद्र का पानी पीछे हटा तो भागने लगे लोग, सुरक्षित जगह पर रहने की अपील

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का फिर झटका लगा। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई इमारतें जमींदौज हो गईं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों पर भागने लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकि शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज भूकंप के झटके आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं। कई लोग भूकंप के बाद घरों और इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिक्का के सेंट पीटर मेजर सेमिनरी में सुबह की प्रार्थना चल रही थी, तभी सभा भवन की छत का एक हिस्सा गिर गया। छात्र और नन घबराकर बाहर भागे। उन्होंने बताया कि जान बचाने की कोशिश में एक पादरी दूसरी मंजिल से कूद गए, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों से मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। टीवी चैनलों की तस्वीरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाते दिखे। अस्पतालों के बाहर बिस्तर, आईवी स्टैंड और ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए। कई जगह खुले में ही अस्थायी इलाज शुरू किया गया।

बता दें इंडोनेशिया करीब 17,500 द्वीपों का देश है। ये द्वीप प्रशांत महासागर के उस इलाके में हैं, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यहां धरती के नीचे कई बड़ी भूगर्भीय प्लेटें मिलती हैं। ये प्लेटें लगातार खिसकती रहती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है, तो धरती के अंदर जमा दबाव अचानक बाहर निकलता है। इससे भूकंप आता है।

इंडोनेशिया के आसपास समुद्र के नीचे भी ऐसी हलचल अक्सर होती रहती है। अगर समुद्र के नीचे तेज भूकंप आए और उससे समुद्र का पानी अचानक ऊपर-नीचे हो जाए, तो सुनामी आ सकती है।

इसी वजह से इंडोनेशिया में भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा दुनिया के कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा रहता है।

तालिबान की पाबंदी: 22 लाख लड़कियों का भविष्य और दुनिया की चुप्पी

काबुल (एजेंसी)। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को कक्षा छह से आगे की शिक्षा से वंचित किया है। यह प्रतिबंध अब तक नहीं हटा है, इससे अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है जहाँ लड़कियों और महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से रोका गया है। करीब 22 लाख किशोरियाँ 1,800 दिनों से माध्यमिक शिक्षा से वंचित हैं।

इस पाबंदी के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इन प्रतिबंधों से 2030 तक अफगानिस्तान में 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। आर्थिक मोर्चे पर देश को हर साल अनुमानित 8.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। सितंबर 2025 से तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों में भी अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी, और जनवरी 2026 में महिला सरकारी कर्मचारियों का कम किया गया वेतन भी बंद कर दिया गया।

इन पाबंदियों के बावजूद, अफगान महिलाएँ लगातार 'रोटी, काम, आज़ादी' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करती रही हैं,

हालाँकि उन्हें गिरफ्तारियों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ खुले विरोध खतरनाक हो गए हैं, वहाँ महिलाओं ने घरों में भूमिगत स्कूलों का अनौपचारिक नेटवर्क बनाकर लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। मुझे सबसे ज्यादा परेशान यह बात करती है कि 1996 में भी ऐसी ही पाबंदी देखी गई थी, लेकिन इस बार दुनिया की विफलता जागरूकता की कमी के कारण नहीं है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी तालिबान को इसकी कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में दोहा प्रक्रिया तालिबान से वार्ता कर रही है, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पुनः शामिल करना है। हालांकि, तालिबान के आग्रह पर महिलाओं और अफगान नागरिक समाज के समूहों को इन मुख्य वार्ताओं से बाहर रखा गया है। मेरी पीढ़ी के लिए स्थितियाँ बदल गई थीं, लेकिन इस पीढ़ी के लिए भी ऐसा होगा, इसकी गारंटी नहीं। अफगान महिलाएँ पिछले पाँच साल से लगातार संघर्ष करके यह दिखा रही हैं कि वे इस प्रतिबंध को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

ईरान ने कहा- होर्मुज छोड़िए खुद की सुरक्षा करे अमेरिका

-अमेरिका ने कहा था होर्मुज की करेंगे सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण स्थापित करने से जुड़े दावे के बाद ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया था कि ईरान को पूरी तरह परास्त करने के बाद अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को अपने क्षेत्र के रूप में घोषित करने की योजना रखता है। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय अपनी खुद की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर से किसी कैटरिंग ट्रक में छिपने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

ईरान की ओर से यह तीखा ताना पिछले दिनों तुर्की दौरे से जुड़ी एक चर्चित मीडिया रिपोर्ट के संदर्भ में मारा गया है। दरअसल, कुछ समय पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंकारा से रवाना होते समय ट्रंप को लेकर सुरक्षा कारणों से रणनीति बदली गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, उस वक्त एक बड़े विमान का उपयोग लोगों और मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए किया गया था, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति को एक कैटरिंग यानी खाने वाले ट्रक के जरिए गुप्त रूप से दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया था। इस वाकये की याद दिलाते हुए ईरानी नेताओं ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नियंत्रण के दावे को ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट, युद्धपोत की तैनाती या चुनावी भाषण के बल पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान किसी भी प्रकार की विदेशी धमकी या शक्ति प्रदर्शन से डरने वाला नहीं है। वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम रास्तों में गिना जाता है, यही वजह है कि यहां जरा सा तनाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मचा देता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का वह बयान केवल एक मजाक के रूप में दिया गया था। इसके बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज के सामरिक महत्व को लेकर चल रही इस तनातनी ने मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है। दोनों पक्षों की ओर से आ रहे इन तीखे बयानों को भविष्य के रणनीतिक संघर्षों और क्षेत्रीय तनाव के रूप में देखा जा रहा है।

साल 2028 में पृथ्वी पर आएंगे एलियंस, टाइम ट्रेवलर का दावा

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में डैरिल डीन नाम के एक शख्स ने खुद को साल 2033 से आया टाइम ट्रेवलर बताते हुए सनसनीखेज भविष्यवाणियां की हैं। डैरिल डीन का दावा है कि उसके पास भविष्य में होने वाली घटनाओं की एक पूरी टाइमलाइन मौजूद है और उसकी भविष्यवाणियां आने वाले समय में हर हाल में सच होकर रहेंगी। उसने पैरानॉर्मल रिसर्च से जुड़े लोकप्रिय एक टीवी चैनल पर बात करते हुए अपने दावों को सही ठहराने के लिए कई भविष्यवाणियों के बारे में बताया है।

डैरिल डीन का कहना है कि वह मूल रूप से साल 2033 का रहने वाला है और थोड़े समय के लिए ही वर्तमान समय में आया था। उसने कहा कि वह दुनिया के हर इंसान को यह समझाने नहीं आया है कि वह सच बोल रहा है, बल्कि वह सिर्फ उन लोगों से बात करना चाहता है जो उसकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार हैं। कथित टाइम ट्रेवलर के अनुसार, भविष्य में कोई भी बड़ा या विनाशकारी युद्ध नहीं होगा। उसने दावा किया कि साल 2028 में एलियंस पृथ्वी पर आएंगे और वे अपने साथ शांति और समृद्धि का एक नया दौर लेकर आएंगे। एलियंस के आने के बाद इंसानों को यह अहसास होगा कि वे आपस में एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, जिससे पूरा विश्व एकजुट हो जाएगा और सभी मतभेद समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा डीन ने यह भी कहा कि 2033 तक दुनिया के सभी मौजूदा धर्म खत्म हो जाएंगे और पूरी मानव जाति सिर्फ एक धर्म को मानेगी।

हालांकि, इस शख्स ने नए धर्म के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि वह कैसा होगा या उसके सिद्धांत क्या होंगे। टाइम ट्रैवल की तकनीक को लेकर भी डैरिल डीन ने एक खुलासा किया है। उसका कहना है कि साल 2028 में इंसानों के सामने टाइम ट्रेवल तकनीक के राज से परदा उठा दिया जाएगा और इसी साल दूसरे ग्रहों के जीवों यानी एलियंस की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ जाएगी। यह दावा भविष्य में मानवता के लिए एक नई दिशा का संकेत देता है। डीन ने तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 के अंत में 5जी वायरलेस नेटवर्क शुरू हुआ था, जिसने इंटरनेट स्पीड को तीन गुना बढ़ा दिया था। वहीं, उसने दावा किया कि आने वाले सालों में 6जी इंटरनेट की तकनीक को पूरी दुनिया के लिए पूरी तरह से मुफ्त कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि दुनिया के हर देश और दूरदराज के इलाकों में लोगों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे सूचना और संचार का एक नया युग शुरू होगा।

हालांकि, इस यूट्यूब वीडियो को देखने वाले ज्यादातर यूजर्स कथित टाइम ट्रेवलर के इन दावों से बिल्कुल भी सहमत नजर नहीं आ रहे हैं। कई लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी और कल्पना बताया है। वहीं, अन्य लोगों ने इसकी तुलना पुराने कथित टाइम ट्रेवलर नोआ से करते हुए कहा कि उसकी भविष्यवाणियां गलत साबित होने के बाद वह गायब हो गया था, और यह शख्स भी उसी की तरह झूठ बोल रहा है। मालूम हो कि भविष्य की दुनिया कैसी होगी और आने वाले सालों में इंसानी सभ्यता में क्या बड़े बदलाव होंगे, इसे लेकर अक्सर नई-नई थ्योरीज और दावे सामने आते रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लूडो-सांप-सीढ़ी-ताश खेलकर पीते थे शराब, 'जश्न विला' से 8 युवतियां-14 युवक गिरफ्तार

सूरत की पार्टी में विदेशी क्लब की तर्ज पर फैंसी टास्क-रूल्स

300 मीटर दूर पुलिस स्टेशन और 50 मीटर पर नशामुक्ति केंद्र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डुमस स्थित बापूजी की वाड़ी के 'जश्न विला-12 ए' में एक मेकअप आर्टिस्ट युवती की हाईप्रोफाइल बर्थडे पार्टी में शराब की महफिल सजी थी। युवक-युवतियां महंगी लग्जरी कारों से पार्टी में पहुंचे थे। फार्म हाउस में विदेशी शराब की बोतलों के साथ जश्न चल रहा था, तभी पुलिस ने छापा मारकर पार्टी का भंडाफोड़ कर दिया।

पार्टी में विदेशी क्लब की तर्ज पर लूडो, सांप-सीढ़ी और ताश जैसी गेम के जरिए यह तय किया जाता था कि कौन कितना शराब पीएगा। हर गेम में अलग-अलग टास्क और नियम बनाए गए थे। जश्न विला में शराब पार्टी करते पकड़े गए 8 युवतियां और 14 युवक, सभी की उम्र 21 से 27 वर्ष के बीच बताई गई है। इनमें व्यापारी, छात्र और नौकरीपेशा लोग शामिल थे।

सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि फार्म हाउस के बाहर ही महंगी शराब की खाली और जली हुई बोतलें मिलीं। वहीं, फार्म हाउस से महज 300 मीटर की दूरी पर पुलिस स्टेशन और करीब 50 मीटर दूर नशामुक्ति केंद्र होने के बावजूद शराब की महफिल चल रही थी, जिससे कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं।

शराब की महफिल में नशा परोसने के लिए 'लूडो' जैसी

गेम तैयार की गई थी। पासा फेंकने पर आने वाले नंबर के आधार पर यह तय किया जाता था कि कौन कितना शराब पीएगा। पासे पर आए अंक के अनुसार किसी को कम पेग यानी शॉर्ट ड्रिंक तो किसी को ज्यादा शराब पीने का टास्क दिया जाता था।

लूडो बोर्ड पर पहले से ही अलग-अलग ड्रिंक लेने के नियम लिखे हुए थे। बोर्ड पर 'शॉर्ट ड्रिंक', 'दो शॉर्ट ड्रिंक्स', 'यंगस्टर्स ड्रिंक', 'एवरीवन ड्रिंक' और 'लेडीज ड्रिंक' जैसे अलग-अलग टास्क दिए गए थे। खेल में जिस खाने पर पासा रुकता था, उसके अनुसार युवक-युवतियों को शराब पीने का टास्क दिया जाता था।

पुलिस द्वारा जब्त किए गए सामान में 'BLACK OUT' नाम का ड्रिंकिंग गेम बोर्ड भी मिला। इससे पता चलता है कि पार्टी में शराब पीने के लिए बाकायदा गेम और नियम तैयार किए गए थे।

इस बोर्ड पर पासा फेंककर आगे बढ़ने के दौरान 'Take a Shot', 'Spin for 5 Seconds', 'Finish Your Drink', 'Guys Drink', 'Ladies Drink' जैसे शराब पीने वाले टास्क लिखे थे। इसके अलावा 'Slap Someone', 'Truth/Dare', 'Group Selfie' और 'Rap for 10 Seconds' जैसे मनोरंजक टास्क भी दिए गए थे।

पार्टी से सांप-सीढ़ी की तर्ज पर तैयार किया गया 'SHOTS AND LADDERS' ड्रिंकिंग बोर्ड गेम भी मिला। यह बोर्ड 1 से 49 तक के अंकों का था। पासा फेंककर आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग नियमों का पालन करना पड़ता था।

बोर्ड के नियमों के अनुसार कुछ खानों पर पहुंचने पर 'Take a Shot' यानी शराब का पेग पीना, 'Give a Shot' यानी दूसरे को पेग पिलाना और 'Truth or Dare' जैसे टास्क दिए गए थे। सीढ़ी आने पर ऊपर चढ़ना और सांप के मुंह पर पहुंचने पर नीचे खिसकने के नियम के साथ पूरी पार्टी को एक संगठित ड्रिंकिंग गेम में बदल दिया गया था।

पुलिस स्टेशन से महज 300 मीटर और नशामुक्ति केंद्र से 50 मीटर की दूरी पर स्थित फार्म हाउस में बर्थडे पार्टी के नाम पर युवक-युवतियां शराब की महफिल कर रहे थे। डुमस पुलिस को सूचना मिलने के बाद तत्काल छापेमारी की गई और शराब के नशे में मौजूद युवक-युवतियों को मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महफिल में शराब पिलाने के लिए 'कार्ड रूलेट' नाम का एक खास ड्रिंकिंग गेम चार्ट भी तैयार किया गया था। इसमें ताश के अलग-अलग पत्तों के नंबर के आधार पर शराब पीने के नियम बनाए गए थे।

नियमों के अनुसार इक्का (A) आने पर बाकी सभी को शराब पीनी होती थी, रानी (Q) आने पर सभी युवतियों को शराब पीने का टास्क दिया जाता था, जबकि बादशाह (K) आने पर सभी पुरुषों को शराब पीनी होती थी। गुलाम (J) आने पर 'ग्रुप शॉट' लेने का टास्क था। इसके अलावा 'पत्ते का रंग पहचानो या ड्रिंक लो', 'किसी को हंसाओ या शराब पीओ' और 'पूरा पेग खत्म करो' जैसे नियम भी बनाए गए थे। इस तरह ताश के पत्ते निकालकर एक-दूसरे को शराब पिलाने का खेल चल रहा था।

पकड़े गए लोगों में 8 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। इनमें कुछ कॉलेज छात्र, कुछ निजी कंपनियों में नौकरी करने वाले और कुछ नौकरी की तलाश कर रहे युवक-युवतियां हैं।

फार्म हाउस को कितने रुपये में और किस उद्देश्य से किराए पर दिया गया था, इसकी जानकारी हासिल करने के लिए मालिक को बुलाकर पूछताछ की जा रही है।

8 महिलाएं और 14 पुरुष गिरफ्तार

एसीपी श्वेता डेनियल ने बताया कि सुल्तानाबाद स्थित बापूजी की वाड़ी फार्म हाउस पर देर रात करीब 2:30 बजे छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान फार्म हाउस से शराब की महफिल करते हुए 22 युवक-युवतियों को रंगेहाथ पकड़ा गया।

कामरेज से नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई

5,157 लीटर घी और 1,770 किलो तेल जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले तत्वों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि नियामक तंत्र की टीमों ने सूरत के कामरेज में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 35 लाख रुपये से अधिक कीमत का संदिग्ध घी और मिलावट में इस्तेमाल होने वाला तेलजब्त किया गया।

सूरत खाद्य एवं औषधि नियामक तंत्र की टीम ने कामरेज तालुका के धोरण पारडी स्थित हिंदवा ड्रीम इंडस्ट्रियल एस्टेट में 'केवल फूड प्रोडक्ट' नाम की फैक्ट्री पर छापा मारा। जांच के दौरान सामने आया कि फैक्ट्री मालिक के पास वैध लाइसेंस नहीं था। फैक्ट्री के गेट पर बाहर से ताला लगाकर अंदर असली घी के नाम पर नकली और मिलावटी घी का उत्पादन एवं पैकिंग की जा रही थी।

छापेमारी के दौरान मौके से 'श्री अनमोल रतन काऊ घी' की अलग-अलग पैकिंग में कुल 5,157 लीटर घी बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत 26.12 लाख रुपये बताई गई है। पूरे जत्थे को सीज कर दिया गया है।

फैक्ट्री से घी में मिलावट के लिए रखा गया 1,485 किलो पामोलिन तेल और 285 किलो सोयाबीन तेल भी बरामद हुआ। दोनों का कुल वजन 1,770 किलो है, जिसकी अनुमानित कीमत 3.63 लाख रुपये बताई गई है। टीम ने घी और तेल के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे हैं।

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी में

देशभक्ति के रंग में मना 80वां स्वतंत्रता दिवस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भगवान महावीर यूनिवर्सिटी में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में BMU के ट्रस्टी अनिल जैन, डॉ. संजय जैन, वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, एडमिनिस्ट्रेटिव हेड, विभिन्न कॉलेजों के प्रिंसिपल-डायरेक्टर, फैकल्टी सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि RBL बैंक के क्लस्टर हेड मनीष खत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए देशभक्ति और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर 'नेशन फॉर अ वीक' अभियान की शुरुआत की गई,

जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का समापन डॉ. श्वेता कुमार के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

31 साल से फरार आरोपी नवी मुंबई से गिरफ्तार

1995 के मारपीट के मामले के बाद जेतपुर में मजदूरी की

तीन साल से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में वर्ष 1995 में हुई गंभीर मारपीट के मामले में पिछले 31 साल से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे वांछित आरोपी संतरामसिंह यादव को

सूरत शहर क्राइम ब्रांच की आर्म्स स्क्वॉड ने नवी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। 50 वर्षीय आरोपी के खिलाफ लिंबायत पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज था और अदालत ने उसके खिलाफ CRPC की धारा-70 के तहत गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

वर्ष 1995 में लिंबायत में पानी भरने की मामूली बात को लेकर हुए विवाद के दौरान संतरामसिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता और गवाहों पर लाठियों से जानलेवा हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाई थीं। घटना के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए वह सूरत छोड़कर अपने मूल गांव बिहार भाग गया और वहां पहचान छिपाकर रहने लगा।

अगले 31 वर्षों तक पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने वर्ष 2002 से 2005 तक राजकोट के जेतपुर में कपड़ा कारखाने में मजदूरी की। इसके बाद पिछले तीन वर्षों से वह नवी मुंबई के पनवेल-तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र में छिपकर TIPL कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नौकरी कर रहा था और सामान्य जीवन जीने का दिखावा कर रहा था।

सूरत क्राइम ब्रांच की आर्म्स स्क्वॉड को आरोपी के संबंध में पुख्ता सूचना मिलने के बाद टीम तत्काल मुंबई पहुंची। ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से गुप्त ऑपरेशन चलाकर तलोजा स्थित कंपनी से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच ने कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को लिंबायत पुलिस के हवाले कर दिया है।

सूरत में मानसून के बीच मौसमी बीमारियों का प्रकोप

नई सिविल अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़

मेडिसिन OPD में रोजाना 900 केस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मानसून के सक्रिय होते ही मौसमी बीमारियों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। नई सिविल अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बारिश के मौसम के कारण डेंगू, मलेरिया, दस्त-उल्टी और वायरल फीवर के मामले बढ़ने से अस्पताल के मेडिसिन विभाग की OPD में रोजाना 800 से 900 मरीज पहुंच रहे हैं। वहीं, हर दिन करीब 130 से 150 मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है।

मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से किडनी और स्टेमसेल बिल्डिंग में अतिरिक्त वार्ड शुरू कर इलाज की व्यवस्था की है।

अस्पताल की व्यवस्था और मौजूदा स्थिति की जानकारी देते हुए मेडिसिन विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. अश्विन वसावा ने बताया कि मौसमी बीमारियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने भर्ती मरीजों के लिए अतिरिक्त क्षमता बढ़ाई है। नियमित वार्ड के अलावा अब किडनी और स्टेमसेल बिल्डिंग में सिर्फ मेडिसिन विभाग के मरीजों के लिए रोजाना 150 से 200 अतिरिक्त मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से शुरू की गई है।

बारिश के मौसम में बीमारियों के और अधिक फैलने की आशंका को देखते हुए डॉक्टरों ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। चिकित्सकों ने लोगों को उबला हुआ पानी पीने और घर के आसपास पानी जमा न होने देने की सलाह दी है।

इसके साथ ही बुखार, दस्त या उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देने पर खुद से इलाज करने के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क कर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की गई है।

आव्या 4.0' वेडिंग एग्जीबिशन के

अंतिम दिन उमड़ी महिलाओं की भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा आयोजित 'आव्या 4.0' वेडिंग एग्जीबिशन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर खरीदारी की।

गुरुवार से आयोजित इस प्रदर्शनी में डिजाइनर ज्वेलरी, कपड़े, होम डेकोर और शादी से जुड़े विभिन्न उत्पाद आकर्षण का केंद्र रहे।

आगामी त्योहारों और वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी में देशभर के विभिन्न शहरों से उद्यमियों ने अपने नए कलेक्शन प्रस्तुत किए। मुंबई, कोलकाता, जयपुर और दिल्ली सहित कई शहरों के स्टॉल पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली।

प्रदर्शनी में महिलाओं ने नए डिजाइन और कलेक्शन की जमकर खरीदारी की और आयोजन की सराहना की। सुबह से शुरू हुई भीड़ देर शाम तक बनी रही।

इस अवसर पर महिला शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्याएं उपस्थित रहीं।

अमरोली में एम्ब्रॉयडरी उद्योग में रविवार की छुट्टी को लेकर हजारों कामगारों की हड़ताल

3 बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में कामकाज ठप,

टेक्सटाइल उत्पादन को बड़ा झटका लगने की आशंका, पुलिस तैनात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपड़ा उद्योग की रीढ़ माने जाने वाले एम्ब्रॉयडरी सेक्टर में 16 अगस्त सुबह से हजारों कारीगरों ने एकजुट होकर काम बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। महीनेभर में एक भी नियमित छुट्टी नहीं मिलने के कारण कामगारों में लंबे समय से पनप रहा आक्रोश आज आंदोलन के रूप में सामने आया।

अमरोली अंजनी इंडस्ट्रीज, कतारगाम GIDC और सचिन GIDC समेत प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में कामगारों ने एकत्र होकर मशीनें पूरी तरह बंद कर दीं। कारीगरों का कहना है कि लगातार काम के बोझ के कारण उन्हें शारीरिक और मानसिक थकान का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए अन्य क्षेत्रों की तरह उन्हें भी हर रविवार अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिए।

हड़ताल पर उतरे कामगारों ने चेतावनी दी है कि जब तक एसोसिएशन या कारखाना मालिकों की ओर से रविवार की साप्ताहिक छुट्टी को लेकर आधिकारिक लिखित निर्णय नहीं दिया जाता, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

हजारों कारीगरों के आंदोलन के कारण सूरत के टेक्सटाइल और एम्ब्रॉयडरी उत्पादन पर सीधे और व्यापक असर पड़ने की आशंका है।

वेदांत इंडस्ट्रीज में कारीगरों के विरोध प्रदर्शन के बाद स्थिति तनावपूर्ण होने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस कमिश्नर वाबांग जमीर सहित क्राइम ब्रांच, SOG और PCB की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विरोध कर रहे कारीगरों से सीधे बातचीत कर स्थिति को शांत करने के प्रयास शुरू किए।